

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 474] नई बिल्ली, ब्धवार, ग्रक्तूबर 31, 1990/क्राप्तिक 9, 1912 NO. 474] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 1990/KARTIKA 9, 1912

> इ.स. भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के रूप में रखा जा सके

> Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-मृतन परिवहन मंत्रालय

(पत्तम पक्ष)

द्धिम्चना

नई विल्ली, 31 सम्तबर, 1990

सा.का.ति. 874(म):—केन्द्र भरकार, महापत्तन न्यांस मधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के माथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त णिक्तवों का प्रयोग करते हुए तून्तक्कुडि पत्तन व्यामी मंडल द्वारा बनाये गये और इस प्रविस्थान केसाथ संसरन प्रमुख्यों में तृश्तुक्कुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (ग्रीक्षिक सहायना) विनियम, 1990 का अनुमोदन करती है।

 उक्त विनियस, इस प्रक्षिमृजना केसरकारी राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हांगे।

> [फा.सं. पी श्वार-1201*6*/17/90नी ई(1] धर्मोक जोमी, संयक्त सचि**व**

धन् सूर्च(

तूल्तुक्कुडि पत्तन स्थाम कर्मचारी (शेक्षिक सहायता विनियम, 1990)

- गः संक्षिप्त नाभ ग्रीर प्रारंगः (1) ये विनियम तृत्तुवकुढि पलन ध्यास कर्मवारी (ग्रांक्षिक सहायता) विनियम. 1990 कष्टे जायेंगे।
- 2. लागृ होनाः (1) ये विनिधम तुर्**डक्कु**डि पत्तन स्थास बोर्ड के सभी कर्मचारिवों पर लागृ होंगे, परन्तु ये विनिधम िस्निलिमित को लागृ नहीं होंगः—
 - (क) भ्रतियस या दैनिक दर या भ्रंशकालिक रोजगार पर नियुक्त कर्मचारी,
 - (ख) ऐसे व्यक्ति जिन्हें संदान श्राकश्चिमकता निधियों में से किया जाता है।
 - (ग) यदि कान्द्राक्ट में प्रन्यथा उल्लिखिन नहीं तो कान्द्राक्ट के प्रश्रीन नियोजित कर्मचारी।
- (2) ये विनियम ऐसे तूस्तुक्कुडि पत्तन कर्मकारियों गर की लागू होंगे, जो ध्रत्य महा पत्तनों में प्रतिनियुक्त धौर विदेशी सेवा पर कार्यरत हैं बराने कि उक्त महा पत्तनों या विदेशी सेवा की प्रतिनियुक्ति या विदेशी सेवा की शनी में, इन विनियमों के प्रतिन श्रीक्षिक सहायता प्राप्त करने के लिये श्रावण्यक उपबंध ग्रामिज्यक्त किया गया हो।

- 3. परिभाषाएं: क्रन किनियमों में, जब एक संवर्ध से मन्यया भोकित न को:--
 - (क) "शोडे", "श्रहसक्ष", "उपाडनका" ग्रीन "विभाग के सध्यक्षा" के धर्थ बही होंगे, जो महा पत्तन न्यांस श्रीधित्तियम 1963 में विभे गमें हैं।
 - (षा) "शिषा," से बोर्ड के कर्मचारी का शिषा, अभिप्रेत है किसने सौतेला शिषा, और दत्तक शिषा, ओ पूर्णरूप से कर्मचारी पर आधारित है, शासिल हैं।
 - (ग) "क नेपारी" से बोर्ड का कर्मचारी अभिप्रेत है।
 - (घ) "मरकार" से केन्द्रीय सरकार श्र**मिन्ने**त है।
 - (क) 'हायर मैकेंडरी' या नीनियर मैकेंडरी क्लासेन से आशाय कक्षाएं 11 तथा 12 हैं जिनके अन्तर्गत Xii समत्त्व सभी कलासेन शामिल हैं जिसे अोम्निविभिटी क्लास, या इंटर-मीडिएट कालेज, तकनीक कालेज, या पानिटेकिनिक के प्रथम वर्ष केंक्लाम बणर्ते कि छात्र कीसे में शामिल होते कें पहले सैकेंडिरी या उसके समन्त्य परीक्षा पाम की ही निक हाथर सैकेंडरी।
 - (च) प्राइमरी कक्षाफ्रों सेक्सागय । से कक्षा 5 तक हैं कि डरगाईन या नर्सरी कक्षाएं इसमें शामिल नहीं हैं।
 - (छ) "मात्यता प्राप्त पाठणाला" से द्याणय है कि वह मान्यता प्राप्त सरकारी पाठणाला/पब्लिक स्कूल या ग्रन्य कोई शैक्षिक संस्था जिसे सरकारी ग्रन्यानी प्राप्त ही या न हो, पर केन्द्र सरकार या संघ शासिन क्षेत्र प्रणासन या विषय विधालय या मान्यका प्राप्त प्राप्तिक प्राप्तिकरण जिसके क्षेत्राधिकारी के ग्रंबर संस्थास्थिन है ग्रोर उससे मान्यका प्राप्त है। इन विधियमों के प्रांथोजन के लिये "सीनियर" स्तर नक की शिक्षा को स्कूल शिक्षा माना जायेगा।
 - (त्र) सैकंडरी क्लॉसेम" 6 से 10 तक की कक्षायें अभिन्नेत हैं।
 - (झ) "शिक्षा शहक" से प्राणय, देय शिक्षा शहक ग्रीर वास्तत में चुकाया गया शहक तथा निस्निलिखिक ग्रन्थ:
 - (1) विज्ञान शलक,
 - (2) भगर विकास गुरुक विशेष तौर पर म लगाया गया हो तो, प्रयोगमाला भ्रहक,
 - (3) "क्रियि" एक ऐष्टिक श्रमिरिक्त पाठ्य विषय के लिये लगाया गया विशेष गुल्क,
 - (4) "संगीत" जैसे विश्वय, जो नियमित पाठणाला पाठ्यवर्धा के भाग के रूप में सिखाया जाता है या कार्य अनुभव कार्यक्रम के प्रधीत व्यावहारिक भनुभव भपेक्षित विश्वय के लिये लगाया गया मुल्क,

परन्तु इन प्रादेशों के प्रयोजन के लिये यदि विज्ञान छालों के णिक्षा भुक्क से विज्ञानेतर छाल के णिक्षा भूक्य प्रधिक हो तो, विज्ञान मुक्क अलग तौर पर लगाये जाने पर भी उसे णिक्षा गूल्क के संदर नहीं लिया जायेगा।

स्पष्टीकरणः फिर भी शिक्षा गुल्क मे निस्तिविद्यत शामिल नही है:---

- (1) गृह विज्ञास निश्चि प्रभार
- (2) पृस्तकालय शुल्क

- (3) खेल बुध शुस्य
- (4) प्रमेश क्षा
- (5) पाठ्येतण कार्यकलाय गुल्क

भामान्य शर्तेः

- 4. पालका: --(1) बोर्ड के सभी कर्मचारी बिना वेक्षम सीमा के, देय किक्षा शुल्क और उनके अपने अक्षों के संबंध में अदा किमें गये आस्तिवक शृल्क जी प्रति पृति के लिये योग्य है बशर्त कि वे इस विनियमों के अदर प्रत्य कोई अक्षों की शिक्षा भक्ता न नेने हों।
- (2) यदि पति और पत्नी दोनों इन विनियमों के उपबन्धों के स्प्रश्नीन सो उनमें से केवल एक ही शिक्षा णुल्ल की प्रतिपृति के लिये पात होगा।
- (3) पनि या परनी किसी में से एक धगर बोर्ड के बाहर नियोजित हैं तो इन जिनियमों के प्रधीन शिक्षा मुक्क की प्रतिपूर्ति के लिये सभी पाल होगा/होगी, जब बह यह घोषणा कर सके कि उसकी/ उसका परनी/पति प्रपने नियोक्ता से इस प्रकार के लाभों की प्राप्ति नहीं कर पही/रहा है।
- (4) कर्मचारी अ्यूटी/निसंबन या छुट्टी पर (मशाधारण छुट्टी सहित) रहते हुए, शिक्षा गुरूक हिंकी प्रतिपृत्ति के लिये र्योग्य होंगे ।

यह भी प्रावधान किया जाता है कि डैसनाम की श्रथधि में कर्मचारी प्रतिपृति के लिये हकदार नहीं होगा।

- (5) प्रैक्षिक वर्ष के दौरान यदि कोई कर्मचारी मर जामे या सेवानिन्त, इस्तीफा या सेवा में बरखास्तमी के कारण सैवा से बाहर हो जायेगी तो प्रतिपृति उस मैक्षिक वर्ष के मंत तक दी जायेगी जिस वर्ष के दौरान उपरोक्त घटना घटती है।
- (θ) यह सुविधा केवल पांचवर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बीच की उद्भवाल दण्वों के लिये ही स्वीकार्य होगी। धगर कोई बच्चा किसी क्लास में वो शैक्षिक वर्ष से प्रधिक रहेगा तो उस बच्चे के लिये कर्मचारी शैक्षिक सुरक्ष की प्रतिपृत्ति के लिये बोग्य नहीं होगा।
- (7) इन विनिधमों के प्रधीन सह।यता दिनांक 21-12-87 तक पैथा हुए तीन धुण्यों के लिये उपलब्ध होगी और दिनांक 21-12-87 के बाद पदा हुए अक्यों के मामले में केवल दो ही वच्यों के लिये यह महायता दी जायेगी।
- (8) किसी बच्चे के मामले में, कर्मचारी शिक्षा शूल्क की प्रति-पृति के लिये तभी योग्य होगा, जब बच्चा नियमितः रूप से पाठवाला में उपस्थित हो। परन्तु किसी भी मामले में, पाठवाला से उचित छुट्टी के लिये बिता अनुपरिशत की अविधि एक महीने से अधिक होगो ता, पाठवाला के रोल में बच्चे के नाम छपने पर भी, प्रतिपृति नहीं दी जायेगी।
- (9) किसी भी छान्नशृक्षि प्राप्त करने पर भी, कर्मचारी की उनके प्रपने अच्चा/बच्चो के मामले में शिक्षा शुरूक की प्रतिपूर्ति दी जायेगी परन्तु "फ़ीशिप" प्रधान किया गया है तो, उस मामले में बास्तविक रूप से चुकाया गया शिक्षा गृहक की प्रतिपूर्ति मान्न की जीयेगी।
- (10) इस विनियम के साथ संलग्नित निर्देशित फार्म में कं**र्मनी**री अपना अ,वेदन भेज सकते हैं।
- 5. प्रतिपृष्टि का विरुट्धार:——1. 12 कथा तक : समय सुमय पर जानी सरकारी आदेशों के प्रमुख्य बोर्ड द्वारा नियमित सीमा तक एक कर्मकारी द्वारा दी गयी प्रभने बद्दने की वास्तविक संस्का धीर देय शिक्षा पहला की प्रतिपृष्टि की जायी।

- ु. पालिटेकनिक धीर विश्विष्ठि।लयः इस्टरमीडिएट कालेज या टेकनिकल नालेज का प्रीयूनिवर्सिटी प्रथम वर्ष के लिये पालिटेकनिक के प्रथम वर्ष वा पत्नाचार पाट्यक्रम के लिये किसी विश्व विद्यालय द्वारा संचालित ध्रथवी संबंधित कालेज द्वारा बसूल किया गया शिक्षा शुल्क प्रथवा पत्नाचार कक्षाओं के लिये सरकारी कालेज द्वारा निधारित श्ववक के धनुसार घटा पूरे शिक्षा मृत्क की प्रतिपृत्ति की जाये।
- ः द्विवर्षोय डिप्लोमा पाठ्यशः उत्त मामलो में जहां पालिटेकांतक में डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिये शैक्षिक मोध्यता संशोधित पैटर्स की 10वीं कक्षा हो सीर विद्यार्थी इस नये पैटर्म की 10वीं कक्षा पास करने के बाद पालिटेशनिक में वाखिला लेता है वहां इस पाठ्यश्रम के प्रथम और दिलीय वर्ष के शिक्षा कुल्क की प्रतिपृत्ति की सामुमित दी आये।
- 4. मध्य बच्चों के लिये विशेष प्रावधान किसी कर्मचारी के ध्रपंग यो अधिकसिन मानसिकता बाले बच्चे की देय शिक्षा मृत्क और मुगतान किये गये शिक्षा मृत्क का वर्तमान विनियमों के बिक्द्ध होने पर भी निम्नलिखित भनी पर प्रतिपृति की जाये।
 - (क) बच्चा जिस संस्था में पढ़ ग्हा है, व. संस्था केर्न्द्राय सरकार या राज्य मरेकार या संघाशासित राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त, स्वीकृत अथवा सहायता प्राप्त हो।
 - (ख) वसूल किया जाने वाला शिक्षा गृहक केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या संघ राज्य प्रशासन द्वार मामले के प्रनुसार अनुमोदित हो।

स्पटिकरण: केन्द्रीय राज्य सरकार अथवा संघ राज्य शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था यदि इन के द्वारा अनुमोधित शिक्षा शुल्क धसूल नहीं करती तो ऐसी रिचित में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये कादेशों के अमर्थन में बोर्ड द्वारा निर्धारित सीमा के अनुसार गृहक की प्रतिपृत्ति की जाये।

- 6. विका पुरुष की प्रतिपृत्ति की कार्यविधि —— 1. पुरतान किये गर्ने शिक्षा पुरुष के प्रारंभिक दाने के समय रक्ष द्वारों दी गर्मा फिस की रोक्ष रशीद अथवा बैंक मेडिट या उत्तर का काउण्टर नाउण्टर या उत्तर विश्वा गुरुष नर्माद अथवा बैंक मेडिट या उत्तर का काउण्टर नाउण्टर या उत्तर विश्वा गुरुष नर्मा ने बैंक द्वारा अवा किया है तो प्रमाण के लिये प्रस्तुत करना काफी होगा। बाव के अवसरो पा कर्मचारी द्वारा की गई यह यावणा कि बहु लगलार जिला शुरुष वा व्यय बहुत कर का है, स्वीका की जायेगी। कर्मचारी में यह भी कहा जा सकता है कि वह यह प्रमाणित कर्मचारी में यह भी कहा जा सकता है कि वह यह प्रमाणित करें कि उसके बच्चे वास्तय में मान्यता प्राप्त स्कूण में पढ़ रहे हैं/रही हैं और वास्तव में वह उनके शिक्षा णुरुष का खर्च उटा रहा है।
- उन्न कभी किसी स्कूल, सरथा/ब्रभ्चे आदि में कोई परिवर्तन हों तो प्रथम दाबा ही अध्यतन माना जायेगा और पूर्व उपर्यक्त पैरा में, संकेतित कार्यविधि के ब्रनुसार कार्यबाही की जायेगी।
- 7. प्रयं निर्णय:—मिष इस आदेश के प्रयं मिर्णय के संदर्भ में कोई प्रथम उठना है तो उपका निर्णय अध्यक्ष द्वारा किया आयेगा।

प्रनुबंध

फार्म

शिक्षा युल्क की प्रतिपृति

प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित बच्चा/बच्चों जिनके लिये शिक्षा गुल्क की प्रतिपूर्ति मांगी गर्या है, पूर्णतः मुझ पर श्ली झांश्रित है।

शिश्वभागाम जन्म तिथि किस पाठणाला में पढ़ किस नक्षा में पढ़ रहे हैं चकाया गया धास्मित्रक जूना ई, 19 में मांनी गयी प्रतिपृति रहे हैं मासिक शिक्षा शुल्क परंथरी 19 तक मार्च 19 से जून 19 मक चुकाया गया शिक्षा शृल्क

- 2. प्रमाणित किया जाता है कि बच्चा/बच्चे के सामने सूचित शिक्षा शुरूक वोस्तिथिक रूप में मृक्ष से चुकाया गया है (प्रांरिभिक दाये के साथ नकद रसीव/बैंक कैंडिट केप्रतिपर्ण संस्थन करें)
 - 3. प्रमाणित किया जाता है कि
 - मेरा/मेरी पति/पत्नी पत्तन के कर्नचारी नहीं है।
 - 🌣 मेरा/मेरी पति/पत्नी केन्द्र सरकार के कर्मणारी नहीं है।
 - भेराभिरी पति/पत्नी केन्द्रसथकार/पत्तम के कर्मचारी हैं लेकिन के, हमारा/हमारी अभ्ये/विचनों के मामले में शिक्षा का प्रतिपृत्ति नहां मानिगा।
 - मेरा/मेरी पति/पस्ती* में सिकीजित हैं । बेहमारा/हमारे बज्का/बज्बों के शिक्षा गुल्क की प्रतिपृति के लिये हकक्षार नहां है।
 *केन्द्र सरकार से निश्र नियोक्ता, सुचिन करने के लिये
- 4 प्रमाणित किया जाता है कि मांभी गयी अथित के दीचार बज्बा/बज्जों निविधित गण में प्राटकाणा में उपस्थित रहा/रहे था/ने श्राप एक महीने से ज्याचा समय अपभुक्त खुद्दी के जिला समुपस्थित नहीं रहा/रही/रही।
 - प्रमाणित किया जाता है कि सुनित बच्चा/बच्चे एक कथ्ता में बोशास संग्राजिक नहीं यह रहा/रही/रहे/हैं।

- 6. प्रमाणित किया जाता है कि मैं या मेरी पत्नी/पित ने, फार्म में निर्देशित खण्या/बण्यों के मामले में बण्यों की शिक्षा मता का दाका नहीं किया है ग्रीर नहीं करूंगा/करेगी।
- 7. प्रमाणित किया आंता है कि बच्चा/बच्चे के लिये शिक्षा गुरुक की प्रक्षिपूर्ति मोगी स्थी है—मान्यता प्राप्त रकूल में पक रहा/पेहे हैं(केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, संग क्षेत्र प्रमाधन/नगर निगन/नगर सिमित/पंचायत समिति/जिला परिषद् द्वारा संचालित स्थानों के लिये यह लागू नहीं होगा।)
- ८ उपर्युक्त पत्तम से संबंधित विधरणों में कोई परिवंतन करने पर उमें उचित रूप में मूचित करने रूथा श्रतिक्षिण भुगतान को वापस करने का करवादिक श्रपने उत्पर लेता है।

कर्मचारी का हस्साक्षर:

मोटे प्रक्षरों में :

कर्मचारी संख्याः

पदनामः:

विभाग :

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (Ports Wing) NOTIFICATION

New Delhi, the 31st October, 1990

G.S.R. 874(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 124, read with Sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Tuticorin Port Trust Employees' (Educational Assistance) Regulations, 1990 made by the Board of Trustees for the Port of Tuticorin and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

> [F. No. PR-12016[17]90-PE.I] ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

SCHEDULE

TUTICORIN PORT TRUST EMPLOYEES (EDUCATIONAL ASSISTANCE) REGULATIONS, 1990

- 1. Short title and commencement.—(i) These Regulations may be called the Tuticorin Port Trust Employees (Educational Assistance) Regulations, 1990.
- 2. Application.—(i) These regulations shall apply to all the employees of the Tuticorin Port Trust Board, but shall not apply to—
 - (a) persons on casual or daily rated or parttime employment;
 - (b) persons paid from the contingencies:
 - (c) persons employed on contract except where the contract provided otherwise.
 - (ii) These regulations shall also apply to Tuticorin Port Employees on deputation to other Major Ports or on foreign service, provided necessary provision in regard to

the drawal of educational assistance under these regulations from such major Ports or foreign service is expressly made in the terms of deputation or foreign service.

- 3. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires—
 - (a) 'Board', 'Chairman', 'Deputy Chairman' and 'Head of Department' shall have the same meaning assigned to them in Major Port Trusts Act, 1963 respectively.
 - (b) Child means a child of an employee of the Board and includes step child and an adopted child who is wholly dependent on the employee.
 - (c) 'Employee' means an employee of the Board.
 - (d) 'Government' means Central Government.
 - (e) 'Higher Secondary' or 'Senior Secondary Classes' means Classes XI and XII and include classes upto the equivalent of XII class, under the 10+2+3 scheme like Pre-University Class or the first year class of an intermediate College, a Technical College or a Polytechnic provided the child has passed the Secondary or equivalent but not the Higher Secondary examination before joining such class.
 - (f) 'Primary Classes' mean Classes I to V but does not include Kindergarten or nursery classes.
 - (g) 'Recognised School' means a Government School Public School or any educational institution whether in receipt of Government aid or not, recognised by the Central or State Government, or Union Territory Administration or by a University or a recognised educational authority having jurisdiction over the area where the institution is situated. For the purpose of three regulations education upto senior level shall be treated as school education.

- (h) 'Secondary classes' mean classes VI to X.
- (i) 'Tuition Fee' means tuition fee payable and actually paid and includes—
 - (1) Science fee;
 - (ii) Laboratory fee in case of science fee is not separately charged;
- (tii) Special fee charged for agriculture as an elective additional subject, and
- (iv) any fee charged for subjects like music which are taught as part of the regular school curriculam or subject requiring practical work under the programme of works experience:

Provided that if tuition fee charged from a science student is higher than that charged from a non-science student, science fee though separately charged shall not be included in Tuition fee for the purpose of these orders.

Explanation.—'Tuition fee' does not, however, include—

- (i) Domestic science fund charges;
- (ii) Library fee;
- (iii) Games fee,
- (iv) Admission fee; anl
- (v) Extra-curricular activity fee.

GENERAL CONDITIONS: :

- 4. Eligibility.—(1) All the employees of the Board without any pay limit shall be eligible to the reimbursement of Tuition fee payable and actually paid in respect of their children provided that no 'Children Educational Allowance' is admissible to them under any of these regulations.
- (2) In case both wife and husband are governed by the provisions of these regulations, the reimbursement of Tultion fee shall be admissible to one of them only.
- (3) In case, the wife or husband of an employee is employed outside the Board, the employee of the Board is eligible for reimbursement of tuition fee under these regulations only, if his her spouse is not entitled to such benefit from his her employer and a declaration to that effect shall be obtained from the employee.
- (4) The reimbursement of tuition fee shall be admissible to an employee while he she is on duty or is under suspension or is on leave (including EOL):

Provided that during any period which is treated as 'dies-non', the employee shall not be eligible for the reimbursement.

(5) If an employee dies or ceases to be in service by reasons of retiremnet, resignation, dismissal or removal from service in the course of an academic year, the reimbursement shall be admissible till the end of the academic year in which the event takes place.

- (6) The concession is admissible only in respect of children between the age limits of 5 and 20 years. An employee shall not be eligible for reimbursement of tuition fee for a child for more than two academic years in the same class.
- (7) Assistance under these regulations shall be available upto 3 children at one time born upto the date of 31-12-1987 and shall be restricted to two children born threafter.
- (8) Reimbursement of tuition fee shall be admissible to an employee in respect of a child, only if the child attends the school regularly:

Provided, that no such reimbursement shall be admissible in any case where the period of absence from the school without proper leave exceeds one month notwithstanding that the name of the child remains on the roll of the school

- (9) (The reimbursement of tuition fee shall be admissible to an employee in respect of his her children, regardless of the fact that any scholarship is received provided that if freeship is awarded, reimbursement of tuition fee shall be admissible only to the extent of fee actually paid.
- (10) The claim may be made by the employees in the prescribed form annexed to this regulation.
- 5. Extent of Reimbursement: 1. Upto XII class.—The tuition fee payable and actually paid by an employee in respect of his her child may be reimbursed subject to the limits as fixed by the Board in consonance with the orders of Central Government issued from time to time.
- 2. Polytechnic and University.—The reimbursement of tuition fee charged by a College run by a University or affiliated to a University for Pre-University first year class of an Intermediate College or of a Technical College or first year class of Polytechnic or for a correspondence Course shall, however, be reimbursed in full subject to their being restricted to the rates prescribed by Government college for corresponding classes.
- 3. Two Year Diploma Course.—In cases where minimum qualification for admission in the Diploma Course in Polytechnics is 10th Class of the revised pattern of education and the student joins the polytechnic after passing X Class of the revised pattern of education, the reimbursement of tuition fee shall also be allowed for the I and II year classes of the above course.
- 4. Special provision for handicapped children.—Notwithstanding anything to the contrary to these regulation tuition fee payable and paid in respect of physically handicapped or mentally retarded child of the employee shall be reimbursed subject to the following conditions:—
 - (a) The institution in which the child is studying is one which is recognised or approved or aided by the Central Government or State Government or Union Territory Administration;

(b) The fee charged are approved by the Central Government or State Government or Union Territory Administration as the case may be.

Explanation:—If the institution is recognised or approved or aided but the fees charged are not approved by Central or State Government or Union Territory Administration, the fee reimbursable shall be subject to the ceiling fixed by the Board in consonance with the orders of Central Government issued from time to time.

6. Procedure for Reimbursement of Tuition fees.—
1. At the time of accepting the initial claim, production of the Cash Receipt given by the School or Counterfoil of the Bank Credit Voucher, if the tuition fee is paid through Bank by the employee as a proof

- of having actually paid the Tuition fee will be sufficient. For the subsequent occasions, a declaration from the employee to the effect that he continues to incur the expenditure on tuition fee, etc. should be accepted. The employee may also be asked to certify that his her child children is are actually studying in a recognised school and that he is actually incurring expenditure on the tuition fee.
- 2. Whenever there is any change in regard to the school, institution child etc. the first claim will be treated as a 'fresh claim' and the procedure as indicated in the preceding paragraph will be followed.
- 7. Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of this order, the same shall be decided by the chairman.

ANNEXURE

FORM

REIMBURSEMENT OF TUITION FEE

1. Certified that the child/children mentioned below in respect of whom reimbursement of tuition fee is claimed is/are wholly dependent upon me.

Name of the child	Date of Birth	School in which stu d ying	Class in which studying	Monthly tuition fee actually paid	Tuition fee actually paid from July, 19 to Feb, 19 March, 19 to June, 19	Amount of reimburse- ment claimed
1	2	3	4	5	6	7
. 1.					·	
2.						

- 2. Certified that the tuition fees indicated against the child/each of the children had actually been paid by me (cash receipt /counterfoil of the Bank Credit vouchers to be attached with the initial claim)
 - 3. Certified that

3.

- (i) My wife/husband is not a Port employee.
- (ii) My wife/husband is not a Certral Government employee.
- (iii) My wife/husband is a Central Government Servant/Port employee but she/he will not claim reimbursement of tuition fee in respect of our child/children.

^{*}employer other than Central Government to be mentioned.

- 4. Certified that dufing the period covered by this claim, the child/children attended the school(s) regularly and did not absent himself/herself/themselves from the school(s) without proper leave for a period of exceeding one month.
- 5. Certified that the child/children meritioned has/have not been studying in the same class for more than two years.
- 6. Certified that I or my wife/husband have/has not claimed and will not claim the children's educational allowance in respect of the child/children mentioned above.
- 7. Certified that my child/children in respect of whom reimbursement of Tuition fees is claimed is/are studying in the school(s) which is/are recognised school(s) (Not applicable to schools run by Central Government/State Government/Union Territory Administration/Municipal Committee/Panchayat Samiti/Zila Parishad).
- 8. In the event of any change in the particulars above which effect my eligibility for Reimburscment of Tuition fees, I undertake to intimate the same properly and also to refund excess payments, if any made.

	Signature of the employee:		
Dated:	Name in block letters.		
Dated;	Employee No.:		
	Designation:		
	Department:		